an>

Title: Need to take suitable measures for conservation of cow and cow breeds and frame a strict law for total ban on cow slaughter and export and smuggling of beef.

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल (मेहसाणा) ः भारतीय ऋषि महर्षियों द्वारा गाय को मां सम्बोधन करके सर्वोपरि महत्व प्रदान किया गया है। गौ-माता केवल मनुष्य का ही नहीं जीव मात्र का रक्षण करती है फिर भी स्वतंत्र भारत में गाय एवं गौवंश का विनाश निरन्तर जारी है। अनेक प्रान्तों में गौरक्षा के कानून बनाये गए लेकिन कानूनों का प्रमाणिकता के साथ पालन न होने के कारण गौवंश की संख्या निरन्तर घट रही है। गाय की तस्करी की जा रही है। इनका मांस निर्यात किया जा रहा है। भारतीय नस्ल की गाय की उपेक्षा की जा रही है। गायों की तस्करी करके हम अपने देश में दूध उत्पादन स्वयं घटा रहे हैं और विदेशों से पाउडर का दूध मंगा रहे हैं। इससे हमारी खेती भी अलाभकारी हो रही है जिसके कारण किसान शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। भारत के समग्र विकास और देश में "श्वेत क्रान्ति" लाने के लिए भारतीय नस्ल के गौवंश का संरक्षण और संवर्धन आवश्यक है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि गौवंश की बढ़ोत्तरी के लिए गौमांस के निर्यात तथा तस्करी और गौवंश हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध का कानून बनाया जाए। साथ ही, केन्द्र व सभी राज्यों में गौ संवर्धन मंत्रालय की स्थापना हो, ताकि गौवंश पर समग्र चिन्तन हो सके।